भक्त शिरोमणि हनुमानजी तु ही देव नरम लागे

भक्त शिरोमणि हनुमानजी,
तु ही देव नरम लागे,
जितणी करूं बडाई तेरी,
उतणी बाबा कम लागे।bd।

सियाराम की सेवा में तन्नै,
छीकमा वर्ष बिताए थे,
जगत भलाई खातर फेर तुम,
मेंहदीपुर में आए थे,
तेरे द्वार प बजरंगी,
सबते ज्यादा दम लागे,
जितणी करूं बडाई तेरी,
उतणी बाबा कम लागे।bd।

लाखां करोड़ां की मेरे बाबा,
तन्नै बिमारी काट दई,
जो भी मांगया वोहे दे क,
गम की बादली छाट दई,
तेरे दया बिना मेरी जिंदगानी में,
बहुत घणा मन्नै गम लागे,
जितणी करूं बडाई तेरी,
उतणी बाबा कम लागे।bd।

तेरे नाम में वो शक्ति स,
त्रिलोकी गुणगान कर:,
त्रिलोकी का अंश बणया तुं,
मृत लोक तेरा ध्यान धर:,
तेरे भक्तां प भुत प्रेत का,
सबते कम असर लागे,
जितणी करूं बडाई तेरी,
उतणी बाबा कम लागे।bd।

थोड़ी भक्ति तं हो प्रशन,
मनभावन दरबार तेरा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भक्तां में शक्ति सी आज्या,
आव: मंगलवार तेरा,
भजन कीर्तन तेरा जगराता,
होती डम डम डम लागै,
जितणी करूं बडाई तेरी,
उतणी बाबा कम लागे।bd।

ऐसी मेहर फिरी मेरे बाबा,
कमलसिंह की शुद्ध बुद्धि,
कुछ त होली शुद्ध तेरे कारण,
कुछ होज्यागी इब शुद्धि,
संकट मोचन भुल गया त,
तन्नै राम की कसम लागै,
जितणी करूं बडाई तेरी,
उतणी बाबा कम लागे।bd।

भक्त शिरोमणि हनुमानजी,
तु ही देव नरम लागे,
जितणी करूं बडाई तेरी,
उतणी बाबा कम लागे।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com